PAIGAM-E-JAGAT

पैग़ाम-ऐ-जगत

समय का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है।
-आचार्य चाणक्य

Title code : CHAMUL00914 | E-mail : Info@paigamejagat.com | बुधवार, 18 नवंबर, 2026, साल-2, अंक-112, चंडीगढ़, मुख्य संपादक : दविंदर कुमार, संपर्क-94786-02733



हिंद-प्रशांत में चुनौतियों का मिलकर मुकाबला करेगा 'क्वाड': पी.एम मोदी

- प्रधानमंत्री मोदी ने कई अहम प्रस्ताव रखे हैं, जिनमें आसियान देशों के पर्यटकों के लिए मुफ्त ई-वीजा देना भी शामिल

मनीला, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और आसियान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए कई पहल का प्रस्ताव रखा है। इनमें आसियान देशों के पर्यटकों के लिए मुफ्त ई-वीजा, समुद्री सहयोग के लिए एक दीर्घकालिक योजना, परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी आदान-प्रदान और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के संबंध में सहयोग शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने मनीला में 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के बाद जारी एक बयान में इन प्रस्तावों की घोषणा की। मुख्य प्रस्तावों में आसियान-भारत समुद्री सहयोग की एक दीर्घकालिक योजना शामिल है। इस योजना में कनेक्टिविटी बढ़ाना, वैज्ञानिक अनुसंधान, आपदा प्रबंधन, तटरक्षक बलों के बीच सहयोग, समुद्री निगरानी और नाविकों की सुरक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

मोदी ने साइबर अपराध की जांच के लिए डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण पर केंद्रित एक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी प्रस्ताव रखा। साथ ही, क्षेत्रीय क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आसियान और भारत के बीच परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी आदान-प्रदान का सुझाव दिया। अन्य प्रस्तावों में 'आसियान-भारत स्पेस हैकाथॉन' और खनन तथा महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने दोनों पक्षों के लोगों-विशेषकर युवाओं-के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए 'आसियान-भारत यूथ कनेक्ट' (शेष पेज 2 पर)



मनीला में राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात

मोदी को बताया 'बहुत सख्त' इंसान

मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित 49वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अन्य 'क्वाड' देशों के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान ट्रम्प ने कहा कि नरेंद्र मोदी एक 'सख्त' प्रधानमंत्री हैं और उन्होंने उनकी तारीफ भी की। क्वाड शिखर सम्मेलन में, सभी शीर्ष नेता एक मंच पर आए और एक आधिकारिक फोटो सेशन में हिस्सा लिया। बातचीत मुख्य रूप से शांति, आर्थिक सुरक्षा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित रही। इससे पहले, 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र का भविष्य प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि आपसी सहयोग में निहित है।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बातचीत

आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने अपनी 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के रोडमैप के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में आठ प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया: व्यापार और आर्थिक सहयोग, डिजिटलीकरण, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कनेक्टिविटी, कौशल विकास, स्थिरता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर को आगामी आसियान अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं दीं और भारत की ओर से पूरे समर्थन का आश्वासन दिया।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात

आसियान से जुड़ी बैठकों के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल से भी मुलाकात की। मोदी ने उन्हें प्रधानमंत्री का पद संभालने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड पड़ोसी देश हैं। दोनों देशों के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हैं। दोनों नेताओं ने भारत-थाईलैंड रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, कनेक्टिविटी और संस्कृति जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

उत्तराखंड: लगातार तीन हादसों ने कई परिवारों को तबाह कर दिया

14 लोगों की मौत, 36 घायल

गुलार बाजार के पास बस गहरी खाई में गिरी; 9 लोगों की मौत, 25 घायल

टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड), 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

मंगलवार तड़के उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में एक यात्री बस सड़क किनारे की रेलिंग तोड़कर 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए।

हरिद्वार से जोशीमठ जा रही यह बस ऋषिकेश से लगभग 20 किलोमीटर दूर सुबह करीब 5:15 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस सुबह 3:15 बजे हरिद्वार से चली थी और ऋषिकेश में कुछ देर रुकने के बाद आगे के सफर पर निकली थी। अधिकारियों के अनुसार, गुलार के पास बस अनियंत्रित हो गई, सड़क किनारे की रेलिंग तोड़ दी और गुलार पुल के नीचे खाई में जा गिरी। सात लोगों की मौके पर ही (शेष पेज 2 पर)



प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस की भीषण दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति जताते हुए, उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे घायलों के उचित इलाज की व्यवस्था करें और हादसे से प्रभावित लोगों तथा उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करें।

रुद्रप्रयाग हादसा: पोखरी से रंसी जा रही बोलेरो खाई में गिरी; चार की मौत, छह लोग घायल

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में सोमवार देर रात एक बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर बांसवाड़ा-मोहनखाल मोटर मार्ग पर एक गहरी खाई में गिर गई। गाड़ी में लगभग 10 लोग सवार थे। इस दुखद हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। यह गाड़ी पोखरी इलाके से रंसी की ओर जा रही थी। घटना की सूचना मिलते ही अगस्त्यमुनि पुलिस स्टेशन, एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) और डीडीआरएफ (जिला आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीमें, '108' एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंचीं। रुद्रप्रयाग के सर्कल ऑफिसर समेत पुलिस और बचाव दलों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

ऋषिकेश: फकोट के पास 'मैक्स' गाड़ी खाई में गिरी; एक की मौत, चार घायल

उत्तराखंड के फकोट विकास खंड में स्थित बांस कतल गांव में एक 'मैक्स' गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर गई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चारों घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मेटा ने भारत के लिए अपने सिस्टम में बदलाव किए

इंस्टाग्राम पर अब अश्लील और हिंसक कंटेंट नहीं दिखेगा

मुंबई, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

मेटा प्लेटफॉर्म्स ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने विशेष रूप से भारत के लिए इंस्टाग्राम के रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव किए हैं। इसका उद्देश्य यौन रूप से आपत्तिजनक (अश्लील) और हिंसक कंटेंट को कम से कम लोगों तक पहुँचाना है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सरकार ऑनलाइन कंटेंट पर अपनी निगरानी सख्त कर रही है।

यह घोषणा पिछले महीने नई दिल्ली की ओर से किए गए एक आग्रह के बाद आई है। इसमें कंपनी से कहा गया था कि वह अपने पोस्ट रिकमेंडेशन सिस्टम की समीक्षा करे और हिंसा भड़काने या सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने वाले कंटेंट की जांच को और सख्त बनाए। मेटा ने बताया कि उसने पिछले एक साल में यूज़र्स के फीडबैक के आधार पर



अपने डिफ़ॉल्ट सुरक्षा उपायों को बेहतर बनाया है।

मेटा के अनुसार, भारत में लागू किए गए ये बदलाव उन अकाउंट्स से आने वाले रिकमेंडेशन पर असर डालेंगे, जिन्हें यूजर्स ने फॉलो नहीं किया है। ये बदलाव उस कंटेंट से जुड़े हैं जिसे इंस्टाग्राम प्रमोट करता है; इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसे कंटेंट पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

10 अक्टूबर को जारी एक एडवाइज़री में, भारत के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा से अपने रैंकिंग और रिकमेंडेशन सिस्टम की समीक्षा करने (शेष पेज 2 पर)

पंजाब चुनाव से पहले मान सरकार का बड़ा फैसला

'मेरी रसोई' योजना के तहत 10 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

- राज्य में अब 1.58 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षा के दायरे में आएंगे

चंडीगढ़, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

पंजाब विधानसभा चुनाव के करीब आते ही, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य सरकार की 'फूड फॉर ऑल' (सभी के लिए भोजन) और 'मेरी रसोई' योजनाओं के विस्तार की घोषणा की है। इसके तहत 10 लाख (1 मिलियन) और लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिलेगा। आम आदमी पार्टी जैसे-जैसे अपनी चुनावी तैयारियों को तेज कर रही है, यह फैसला पार्टी के लिए, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच, एक बड़ा राजनीतिक फायदा साबित हो सकता है।

गौरतलब है कि 'मेरी रसोई' योजना-जिसे इस साल की शुरुआत में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम' के तहत बांटे जाने वाले गेहूं के अलावा अतिरिक्त राशन देने



के लिए शुरू किया गया था-सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों का एक अहम हिस्सा बन गई है। फिलहाल, राज्य में लगभग 1.48 करोड़ (14.8 मिलियन) लोग इन दो योजनाओं के तहत मुफ्त गेहूं और अन्य राशन सामग्री प्राप्त कर रहे हैं; इस नए विस्तार से 10 लाख (1 मिलियन) और जरूरतमंद लोग इसके दायरे में आ जाएंगे।

विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए, मुख्यमंत्री मान ने कहा कि उनकी सरकार ने पैसे लेकर या राजनीतिक नेताओं की सिफारिश पर राशन कार्ड जारी करने की पुरानी प्रथा को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, 'पहले, ये राशन कार्ड या तो रिश्वत (नकद) देकर या राजनीतिक आकाओं के कहने पर जारी किए जाते थे; लेकिन अब हम कार्ड सिर्फ उन्हीं लोगों को दे रहे हैं जो वास्तव में सबसे ज्यादा जरूरतमंद हैं और आर्थिक रूप से सबसे निचले पायदान पर हैं।'

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि 1.25 लाख (125,000) ऐसे आवेदक हैं जिनके आवेदनों में गलत पते या कुछ अन्य छोटी-मोटी गलतियां थीं। सरकार इन आवेदकों को अपनी (शेष पेज 2 पर)

एक युग का अंत

एम.एस. धोनी ने आई.पी. एल. से संन्यास लिया

- अब वे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 'टीम मेंटर' के रूप में एक नई पारी की शुरुआत करेंगे

चंडीगढ़, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने एक खिलाड़ी के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अलविदा कह दिया है।



आईपीएल 2027 के मिनी-ऑक्शन से पहले, चेन्नई सुपर किंग्स ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की कि धोनी को टीम से रिलीज कर दिया गया है; अब वे पांच बार की चैंपियन टीम के लिए 'मेंटर' (सलाहकार) की नई भूमिका निभाएंगे।धोनी 2008 में टूर्नामेंट की शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े रहे हैं-हालांकि, जब चेन्नई सुपर किंग्स पर प्रतिबंध लगा था, तब वे दो सीज़न के लिए 'राइजिंग पुणे सुपरजायंट' की ओर से खेले थे। पिछले कुछ समय से उनके भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। चोट के कारण वे पिछला सीज़न नहीं खेल पाए थे, जिसमें टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने (शेष पेज 2 पर)

केंद्र ने पंजाब के कृषि क्षेत्र के लिए 352.64 करोड़ रुपये मंजूर किए



नई दिल्ली, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पंजाब के कृषि क्षेत्र के लिए 352.64 करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज की घोषणा की। इस पैकेज में 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' के तहत 254.20 करोड़ रुपये और 98.44 करोड़ रुपये की लागत वाली सात नई परियोजनाओं की मंजूरी शामिल है।

मोहाली जिले के बदरपुर गांव में 'खेत बचाओ अभियान' कार्यक्रम के दौरान पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियन को मंजूरी पत्र सौंपते हुए, मंत्री चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर किसानों के कल्याण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन किसानों की सेवा करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।' उन्होंने विश्वास जताया कि इन फंडों से राज्य में कृषि उत्पादकता बढ़ेगी, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और समग्र कृषि विकास में तेजी आएगी।

उर्वरकों के वितरण में होने वाली अनियमितताओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए, केंद्रीय मंत्री ने डीलरों को चेतावनी दी कि वे कालाबाजारी न करें और उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों को जबरन न थोपें (टैगिंग न करें)। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार भारी लागत पर उर्वरकों का आयात करती है और किसानों को भारी सब्सिडी पर उपलब्ध कराती है; (शेष पेज 2 पर)

38.962 किलो हेरोइन और हथियारों के साथ 7 आरोपी गिरफ्तार



अमृतसर, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल कई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस ने 10 अवैध पिस्तौल, 38.962 किलोग्राम हेरोइन, 800 ग्राम अफीम और 102 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। इसके अलावा, चल रहे ऑपरेशन के दौरान 109 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है; जांच जारी रहने के साथ और भी बरामदगी और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि आरोपी कथित तौर पर विदेश में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे, जो आपराधिक तत्वों तक अवैध हथियारों की सप्लाई करवाते थे। अमृतसर के घरिंडा, लोपोके और भिंडी सैदा पुलिस स्टेशनों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े व्यापक नेटवर्क को तोड़ने, अन्य साथियों की पहचान करने और इस पूरे मामले की कड़ियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।



किसान की किस्मत रातों-रात बदली! 12 करोड़ की लॉटरी जीती

- हंडेसरा से खरीदा था लॉटरी टिकट; रात 11 बजे मिली खुशखबरी

लालडू, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

अक्सर कहा जाता है कि किस्मत कभी भी बदल सकती है। लालडू के पास हुमायूंपुर गांव के किसान बलजिंदर सिंह के मामले में यह सच साबित हुआ है।

उन्होंने 12 करोड़ रुपये की 'पंजाब दिवाली बंपर' लॉटरी जीती है, जिससे उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस बड़ी जीत के बाद पूरे गांव में जश्न का माहौल है। खबरों के अनुसार, मोहिंदर सिंह के बेटे बलजिंदर सिंह (उम्र लगभग 45 वर्ष) खेती-बाड़ी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। दिवाली से पहले, उन्होंने हंडेसरा के एक लॉटरी विक्रेता आशु गर्ग से 'दिवाली बंपर' लॉटरी का टिकट खरीदा था। कल रात करीब 11 बजे जब उन्हें पता चला कि उन्होंने 12 करोड़ रुपये का पहला इनाम जीता है, तो उनकी खुशी का ठिकाना न रहा। बलजिंदर सिंह का परिवार अब तक एक साधारण जीवन जी रहा था, लेकिन इस अचानक मिली शानदार खबर ने उनकी खुशियों को दोगुना कर दिया है।

परिवार के सूत्रों के मुताबिक, अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि इनामी राशि का क्या किया जाएगा। बलजिंदर सिंह अपने साथियों के साथ ज़ीरकपुर (शेष पेज 2 पर)

अमृतपाल को कोर्ट ने कस्टडी पैरोल दी

- 21 नवंबर को दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे

अमृतसर, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

एक स्थानीय अदालत ने खडूर साहिब से सांसद और 'वारिस पंजाब दे' के नेता अमृतपाल सिंह को 21 नवंबर को अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एक दिन की कस्टडी पैरोल दी है। इसके अलावा, कोर्ट ने उन्हें 22 और 23 नवंबर को होने वाली 'फूल चुगने' की रस्म और 'भोग' (अंतिम प्रार्थना सभा) में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल होने की भी अनुमति दी है। उनके वकील, एडवोकेट हरजोत सिंह मान ने बताया कि अमृतसर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एडिशनल सेशन जज) की अदालत ने अमृतपाल सिंह की उस अर्जी पर आज यह आदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि (शेष पेज 2 पर)



पंजाब में सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाजपा: पाटिल



चंडीगढ़, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

- केंद्रीय मंत्री ने अकाली दल के साथ गठबंधन की किसी भी जानकारी से इनकार किया

केंद्रीय मंत्री और पंजाब भाजपा चुनाव प्रभारी सी.आर. पाटिल ने आज कहा कि भाजपा पंजाब विधानसभा की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अकाली दल या किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना पर उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई भी फैसला पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा, और यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है।

चंडीगढ़ में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए, पाटिल ने दावा किया कि पंजाब में भाजपा ही सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा, 'जिस तरह भाजपा अन्य राज्यों में जीत रही है, उसी तरह वह पंजाब विधानसभा चुनाव भी जीतेगी। मेरे आकलन के अनुसार, पंजाब के मौजूदा राजनीतिक हालात इसी ओर इशारा करते हैं।' जब उनसे भाजपा-अकाली गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी फैसला लेगी, (शेष पेज 2 पर)

नितिन नबीन का जालंधर दौरा आज

- 'समरसता संकल्प यात्रा' को दिखाएंगे हरी झंडी

जालंधर, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन कल जालंधर से देशव्यापी 'समरसता संकल्प यात्रा' को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके साथ ही श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व समारोहों को समर्पित 16 दिवसीय, 2,558 किलोमीटर लंबी जनसंपर्क यात्रा की शुरुआत होगी।

यह यात्रा जालंधर-पठानकोट हाईवे पर डेरा सचखंड बल्लां के निकट स्थित गांव रायपुर से शुरू होगी और 3 दिसंबर को वाराणसी स्थित श्री गुरु रविदास जी महाराज के पवित्र जन्मस्थान सीर गोवर्धनपुर में संपन्न होगी।

भाजपा पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने यात्रा की शुरुआत से पहले इसका रूट और कार्यक्रम साझा करते हुए बताया कि 'समरसता संकल्प यात्रा' का मुख्य



उद्देश्य श्री गुरु रविदास जी महाराज के जीवन, शिक्षाओं और समानता, भक्ति, सामाजिक एकता तथा मानवता के शाश्वत संदेश को देशभर के दो करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचाना है।

यह यात्रा सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों-पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के 46 शहरों से होकर गुजरेगी। इस दौरान मार्ग में 29 बड़ी जनसभाएं और जिला स्तर के 27 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पंजाब में यह यात्रा अगले पांच दिनों के दौरान 17 जिलों से गुजरते हुए 700 किलोमीटर का (शेष पेज 2 पर)

लुधियाना में श्रद्धालुओं से भरा पिकअप टिप्पर में घुसा, 3 की मौत

27 श्रद्धालु जख्मी; नैना देवी से लौट रहे थे

लुधियाना, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

हिमाचल के नैना देवी मंदिर के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप लुधियाना में सड़क पर खड़े टिप्पर से जा टकराई। माछीवाड़ा में हुई यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 30 में से 3 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई। वहीं 27 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में एक महिला और 2 लड़के शामिल हैं। ये तीनों पिकअप की अगली सीट पर बैठे थे। घायल श्रद्धालु ने आरोप लगाया कि ड्राइवर ओवरस्पीड से पिकअप चला रहा था। इससे पहले कीरतपुर साहिब में भी हादसा होते-होते बचा था। श्रद्धालुओं ने उसे टोका भी लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी। हादसा होने के बाद वह घायलों की



मदद करने के बजाय अस्पताल में जाकर भर्ती हो गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सोमवार रात को हुए इस हादसे की जांच शुरू कर दी।

पीआई-राही ने हेल्थकेयर और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड स्किल्स को मजबूत करने के लिए चंडीगढ़ स्किल डेवलपमेंट मिशन के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

पैग़ाम-ऐ-जगत/चंडीगढ़
17 नवंबर, (हरमिंदर नागपाल)

चंडीगढ़ स्किल डेवलपमेंट मिशन (सीएसडीएम), तकनीकी शिक्षा निदेशालय, चंडीगढ़ प्रशासन, और पीयू-आईआईटी रोपड़ रीजनल एक्सीलेटर फॉर हॉलिस्टिक इनोवेशंस फाउंडेशन (पीआई-राही) ने आज चंडीगढ़ में स्किल डेवलपमेंट, क्षमता निर्माण, उद्यमिता और इनोवेशन को मजबूत करने के लिए एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।



इस सहमति पत्र (एमओयू) पर निदेशक, तकनीकी शिक्षा-एवं-मिशन निदेशक, सीएसडीएम, चंडीगढ़ प्रशासन, डॉ. पालिका अरोड़ा, पीसीएस, और पीआई-राही के निदेशक, प्रोफेसर (डॉ.) रजत संधीर ने हस्ताक्षर किए।

दोनों संस्थाएं पहले से ही चंडीगढ़ के लिए 'केयरगिवर इनिशिएटिव' के तहत सहयोग कर रही हैं। इसमें डायबिटीज केयर असिस्टेंट्स और जेरिएट्रिक केयर के लिए स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग शामिल है। यह सहमति पत्र उद्योग की जरूरतों के अनुरूप स्किल ट्रेनिंग, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग कार्यक्रमों, ट्रेनर्स की ट्रेनिंग (टीओटी), अप्रेंटिसशिप्स और औद्योगिक कार्यप्रणाली के व्यावहारिक अनुभव के जरिए इस साझेदारी को और मजबूत करेगा।

इस सहयोग के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक वाहन और इंडस्ट्री 4.0 जैसे क्षेत्रों में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप स्किल डेवलप (विकसित) करने की भी परिकल्पना की गई है।

महिला उद्यमिता और समावेशी कौशल विकास को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, खासकर वंचित समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए। दोनों संस्थाएं इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स और टिकाऊ आजीविका के अवसरों को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, उद्योगों के साथ साझेदारी और सरकारी योजनाओं, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों और अन्य एजेंसियों के जरिए वित्तीय सहायता की संभावनाएं भी तलाशेंगी।

इस साझेदारी का उद्देश्य अकादमिक, उद्योग, सरकार और इनोवेटिव इकोसिस्टम के दरमियान तालमेल मजबूत करते हुए कौशल-संपन्न, उद्यमी, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार चंडीगढ़ के निर्माण में योगदान देना है।

यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक ने मलोआ के 'जनहित एवं विकास समारोह' में आवास संबंधी राहतों और कर्मचारी कल्याण उपायों की घोषणा की

पैग़ाम-ऐ-जगत/चंडीगढ़
17 नवंबर, (हरमिंदर नागपाल)

- **पुनर्वास आवासों के निवासियों को फ्रीहोल्ड अधिकार देने की मंजूरी; किफायती किराया आवासों का किराया घटाया; नगर निगम के कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान**

पंजाब के राज्यपाल और यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज मलोआ में आयोजित 'जनहित एवं विकास समारोह' में आवास संबंधी बड़ी राहतों और कर्मचारी कल्याण उपायों की घोषणा की। उन्होंने प्रत्येक वर्ग तक जनकल्याणकारी पहलों का लाभ पहुँचाने और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के प्रति चंडीगढ़ प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

इन पहलों को प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विज़न से जोड़ते हुए श्री कटारिया ने कहा कि विकास का उद्देश्य बुनियादी ढांचा तैयार करने से आगे बढ़कर नागरिकों, विशेषकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक राहत और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना होना चाहिए।

पंजाब के राज्यपाल और यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ में पुनर्वास योजनाओं के तहत आवंटित किए गए आवासीय फ्लैटों और स्थलों के पात्र आवंटियों/लाइसेंसधारकों को फ्रीहोल्ड अधिकार देने के महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की। इससे उनके परिवारों को आवासीय सुरक्षा और दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होंगे। स्वीकृत व्यवस्था के तहत, पुनर्वास योजनाओं में आवंटित किए गए फ्लैटों या स्थलों पर कब्जे की निर्धारित सात वर्षों की अवधि पूरी कर चुके पात्र आवंटियों या उनके कानूनी वारिसों को बकाया लाइसेंस फीस और लागू कलेक्टर रेट के 5% के बराबर प्रतिफल राशि का भुगतान करने पर फ्रीहोल्ड अधिकार प्रदान किए जाएंगे।

आवंटियों को बड़ी राहत देते हुए यह भी घोषणा की गई कि केवल किसी अदालत में केस या कार्रवाई लंबित होने या भवन संबंधी उल्लंघन, दुरुपयोग या कब्जे की मौजूदगी के आधार पर आवेदक को फ्रीहोल्ड अधिकारों के लिए आवेदन करने से अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। प्रतिफल राशि का भुगतान मंजूरी मिलने के एक वर्ष के भीतर एकमुश्त या किस्तों में किया जा सकेगा। श्री कटारिया ने कहा कि इन उपायों से लगभग 50,000 परिवारों को लाभ होगा और करीब 2.5 से 3 लाख लोगों के जीवन में सुधार आएगा। प्रशासक ने किफायती किराया हाउसिंग परिसरों के पात्र निवासियों के मासिक किराए में कमी की भी घोषणा की। किफायती किराया आवास परिसर (एआरएचसी) योजना के तहत आवंटित किए गए सभी फ्लैटों की लाइसेंस फीस अब चंडीगढ़ स्मॉल फ्लैट्स स्कीम, 2006 के आवंटियों पर लागू दर के अनुसार होगी। इससे लाइसेंसधारकों की लंबे समय से लंबित मांग पूरी होगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण राहत के तहत, किफायती किराया आवास परिसर योजना (एआरएचसीएस) के सभी लाइसेंसधारकों को एकमुश्त ब्याज माफी दी जाएगी। यह राहत उन लाइसेंसधारकों पर भी लागू होगी, जिनके लाइसेंस किराए या लाइसेंस फीस की बकाया राशि का भुगतान न करने के कारण रद्द कर दिए गए हैं।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के आवंटियों की कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से श्री कटारिया ने आज चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की जीपीए/एसपीए ट्रांसफर नीति को दोबारा लागू करने की घोषणा की। इसके तहत उन पात्र संपदाओं के हस्तांतरण की अनुमति होगी, जिनसे संबंधित जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी या स्पेशल पावर ऑफ अटॉर्नी 11 अक्टूबर, 2011 से पहले पंजीकृत या लागू की गई थी। लाइसेंस या किराए के आधार पर आवंटित की गई संपदाएं इस ट्रांसफर नीति के दायरे से बाहर रहेंगी।

प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा आवंटित किए गए स्वतंत्र मकानों में जरूरत के अनुसार बदलावों का भी घोषणा की। इनमें चंडीगढ़ बिल्डिंग नियम, 2017 में छूट देते हुए मकानों को ढहाकर पुनर्निर्माण की अनुमति देना भी शामिल है। ऐसे ढहाने और पुनर्निर्माण पर चंडीगढ़ बिल्डिंग नियम, 2017 के तहत मरला मकानों के लिए निर्धारित वे विकास नियंत्रण नियम मानक लागू होंगे, जो समय-समय पर संशोधित किए गए हों और अनुमति मांगने के समय प्रभावी हों।

इसके अलावा, चंडीगढ़ प्रशासन ने समय-समय पर संशोधित चंडीगढ़ बिल्डिंग नियम (शहरी), 2017 में छूट देते हुए चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की सभी आवासीय इकाइयों में लिफ्ट लगाने की अनुमति दी है। इच्छुक आवंटी या निवासी स्व-प्रमाणन योजना के तहत पंजीकृत आर्किटेक्ट के जरिए लिफ्ट लगाने के लिए चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड को आवेदन कर सकते हैं।

समारोह में प्रस्तावित विभिन्न विकास पहलों का भी ऐलान किया गया। इनमें धानस की पुनर्वास ईडब्ल्यूएस कॉलोनी में 1.77 एकड़ भूमि पर 80 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण और सारंगपुर में पुलिस स्टेशन की स्थापना शामिल है।

कर्मचारी कल्याण के क्षेत्र में प्रशासक ने विशेष एकमुश्त उपाय के रूप में नगर निगम, चंडीगढ़ के सफाई कर्मचारियों के 93 आश्रितों की नियुक्ति की घोषणा की।

एक अन्य निर्णय के तहत, पहले के 13 गांवों से स्थानांतरित किए गए 158 कर्मचारियों को मूल वेतन और महंगाई भत्ते के भुगतान से संबंधित उचित निर्णय लेने के लिए नगर निगम को अधिकृत किया गया है। श्री कटारिया ने कहा कि लगभग एक दशक पुराने इस मुद्दे के समाधान से निगम की खुदमुख्तारी और आत्मनिर्भरता भी मजबूत होगी।

प्रशासक ने शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, पुलिस व्यवस्था और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में चंडीगढ़ प्रशासन की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने, समावेशी विकास को बढ़ावा देने और सभी निवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। मलोआ के निवासियों ने उनकी समस्याएं सुनने और राहत प्रदान करने के लिए प्रशासक और चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष तौर पर आवास संबंधी उपायों और प्रशासक के सामने सीधे अपनी शिकायतें रखने के अवसर का स्वागत किया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर श्री सौरभ जोशी; यू.टी. चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद; पंजाब के राज्यपाल के एडिशनल मुख्य सचिव श्री विवेक प्रताप सिंह; प्रशासनिक सचिव, विभागों के प्रमुख और चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता के वोट पर नहीं चलने देंगे कोई वार, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हर बूथ पर उतरेगी कांग्रेस की फौज : राव नरेंद्र सिंह

पैग़ाम-ऐ-जगत
करनाल, (प्रवीण वालिया)

लोकतंत्र की मजबूती जनता के मताधिकार से सुनिश्चित होती है और कांग्रेस पार्टी इस अधिकार की रक्षा के लिए हर बूथ पर अपने कार्यकर्ताओं की टीम तैनात करेगी। यह बात हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने मंगलवार को करनाल के जाट भवन में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में कही। उन्होंने कहा कि जनता के वोट पर किसी भी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस का हर कार्यकर्ता मैदान में उतरेगा।



हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित इस बैठक में जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों, अग्रणी संगठनों एवं विभागों के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त और सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान 'संविधान रक्षा मार्च', 'वोट रक्षक अभियान' और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को प्रदेशभर में प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में प्रत्येक बूथ पर कम से कम एक वोट रक्षक नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत 18 से 20 नवंबर तक नियुक्तियां, 20 और 21 नवंबर को प्रशिक्षण तथा 21 नवंबर तक सभी बूथों पर प्रशिक्षित वोट रक्षक उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया। इनकी जिम्मेदारी मतदाता सूचियों का सत्यापन करना, हटाए गए नामों की जानकारी जुटाना और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा में सहायता करना होगा।

बैठक में अभियान की पुस्तिका और 'वोट रक्षक' पोर्टल iamvoterakshak.in की जानकारी भी दी गई। कांग्रेस की ओर से एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 13.3 करोड़ वोट काटे जाने का मुद्दा उठाते हुए बिना सूचना और सुनवाई के नाम हटाए जाने की आशंकाओं पर चिंता जताई गई। पोर्टल के माध्यम से मतदाता अपने नाम की स्थिति जान सकेंगे तथा गलत तरीके से नाम हटाए जाने की शिकायतों में सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

बैठक में 15 नवंबर से 18 दिसंबर 2026 तक चलने वाले अभियान की रूपरेखा भी तय की गई। 22 से 30 नवंबर तक बूथ स्तर पर हटाए गए नामों का सत्यापन कर दैनिक रिकॉर्ड पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। 26 नवंबर को चंडीगढ़ में संविधान रक्षा मार्च निकाला जाएगा, जबकि 15 दिसंबर तक गांव-गांव में वोट बचाओ-देश बचाओ चौपालें आयोजित की जाएंगी। 15 दिसंबर को जिला स्तरीय रिपोर्ट और 18 दिसंबर को अभियान के तीसरे चरण की समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत होगी। राव नरेंद्र सिंह ने जिला अध्यक्षों और पदाधिकारियों से अभियान को गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि मतदाता सूचियों का गंभीरता से सत्यापन कर संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता की जवाबदेही तय की जाए। सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल ने भी अभियान की सफलता के लिए जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर पर बेहतर तालमेल तथा जनसंपर्क को जरूरी बताया। इस अवसर पर पराग गाबा ने कहा कि करनाल जिले में अभियान को मजबूती से चलाकर प्रत्येक बूथ पर वोट रक्षक नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता का वोट लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत और संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस पार्टी न किसी पात्र मतदाता का वोट कटने देगी और न ही जनता के अधिकारों को कमजोर होने देगी। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष हर गांव और हर बूथ तक जारी रहेगा।

हांसी शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए नगर परिषद ने चलाया विशेष सफाई अभियान

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

- **पांच वार्डों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने पर दिया जोर, स्वच्छता बनाए रखने में नागरिकों से सहयोग की अपील**

हांसी शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं साफ-सुथरा बनाने के उद्देश्य से डीएमसी एवं एडीसी लक्षित सरीन के मार्गदर्शन में नगर परिषद द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को नगर परिषद की टीम द्वारा वार्ड नंबर 4, 13, 15, 22 तथा 23 में विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। अभियान के तहत संबंधित वार्डों में साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए सार्वजनिक स्थानों, गलियों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से सफाई गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया गया। नगर परिषद का प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में नियमित रूप से सफाई व्यवस्था सुनिश्चित हो, ताकि नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके।



डीएमसी एवं एडीसी लक्षित सरीन के मार्गदर्शन में नगर परिषद द्वारा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए निरंतर विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य केवल शहर की सफाई करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना भी है। शहर के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से सफाई गतिविधियों को गति दी जा रही है, ताकि स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

नगर परिषद प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकें तथा निर्धारित स्थानों पर ही कचरा डालें। इसके साथ ही गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत अपनाएं और सफाई व्यवस्था बनाए रखने में नगर परिषद का सहयोग करें। नगर परिषद का लक्ष्य जनसहभागिता के माध्यम से हांसी शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाना है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शहर में स्वच्छता अभियान निरंतर जारी रहेंगे और स्वच्छता के प्रति नागरिकों की भागीदारी से इस मुहिम को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

'रेवेन्यू हरियाणा स्वामित्व' पोर्टल लॉन्च, लाल डोरा की संपत्तियों का मालिकाना हक देने के लिए विशेष अभियान शुरू

करनाल
17 नवंबर (प्रवीण वालिया)

- **स्वामित्व योजना के तहत नागरिकों को मिलेगा संपत्ति का कानूनी अधिकार, दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए मिलेंगे 90 दिन**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेश के लाल डोरा (आबादी देह) क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को उनकी संपत्तियों का कानूनी मालिकाना हक प्रदान करने के लिए 18 नवंबर से विशेष अभियान शुरू किया जाएगा। स्वामित्व योजना के तहत पात्र संपत्ति धारकों को मालिकाना हक के प्रमाण-पत्र जारी करने से पहले संपत्तियों के रिकॉर्ड को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 'रेवेन्यू हरियाणा स्वामित्व' नामक ऑनलाइन पोर्टल भी लॉन्च किया है।

उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने योजना की समीक्षा के लिए आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पोर्टल के माध्यम से नागरिक लाल डोरा क्षेत्र में स्थित अपनी संपत्तियों का पूरा विवरण ऑनलाइन देख सकेंगे। इसमें संपत्ति का मानचित्र, मालिकाना हक, रकबा और संबंधित राजस्व रिकॉर्ड उपलब्ध होंगे। यदि किसी संपत्ति के रिकॉर्ड में त्रुटि है या मालिकाना हक को लेकर कोई असहमति है, तो संबंधित व्यक्ति पोर्टल के माध्यम से अपना दावा या आपत्ति दर्ज करवा सकता है। इसके लिए नागरिकों और प्रभावित पक्षों को 90 दिन का समय दिया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि सरकार ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध बनाने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसके तहत गांव स्तर पर एक कमेटी गठित की जाएगी, जिसमें गांव का सरपंच, नंबरदार, एक महिला पंच, अनुसूचित जाति अथवा पिछड़ा वर्ग से संबंधित एक पंच और ग्राम सचिव शामिल होंगे। यह कमेटी दावों एवं आपत्तियों के निपटारे में सहयोग करेगी।

उन्होंने बताया कि प्राप्त दावों और आपत्तियों की जांच सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी (असिस्टेंट कलेक्टर ग्रेड-2) द्वारा की जाएगी। संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान राजस्व रिकॉर्ड, दस्तावेजों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के बाद अधिकारी तथ्यों के आधार पर कारण सहित निर्णय सुनाएंगे। इससे वास्तविक संपत्ति धारकों के अधिकारों की रक्षा करने के साथ मालिकाना हक से जुड़े विवादों का नियमानुसार समाधान हो सकेगा।

डॉ. शर्मा ने बताया कि जिले के गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण का कार्य अगस्त 2021 में पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा संबंधित गांवों में आबादी देह के मैप-1, मैप-2, मैप-3 और मानचित्रों की इंडेक्सिंग का कार्य भी पूरा हो चुका है। इससे संपत्तियों के रिकॉर्ड के सत्यापन और दावों के निपटारे में सुविधा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। शिकायतों के समाधान के लिए टिकटिंग व्यवस्था भी विकसित की जाएगी, ताकि फील्ड स्तर से प्राप्त समस्याओं की निगरानी कर उनका समयबद्ध निवारण किया जा सके।

उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे 18 नवंबर से पोर्टल पर अपनी संपत्तियों का विवरण अवश्य जांचें। रिकॉर्ड में किसी प्रकार की त्रुटि या मालिकाना हक संबंधी विवाद होने पर निर्धारित 90 दिनों के भीतर दावा या आपत्ति दर्ज करवाएं, ताकि पात्र नागरिकों को उनकी संपत्तियों का कानूनी मालिकाना हक दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

पंजाब स्टेट स्पेशल ओलंपिक में आत्मसुख आश्रम के खिलाड़ियों ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

पैग़ाम-ऐ-जगत
होशियारपुर (दलजीत अजनोहा)

लुधियाना में आयोजित 27वें पंजाब स्टेट स्पेशल ओलंपिक गेम्स में आत्मसुख आत्मदेव आश्रम (फॉर लिविंग गॉड्स), पुरानी कनक मंडी, होशियारपुर के विशेष खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 9 रजत और 4 कांस्य पदक जीतकर होशियारपुर का नाम रोशन किया।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत-पंजाब द्वारा 13 से 15 नवंबर, 2026 तक गुरु नानक देव पब्लिक स्कूल, सराभा नगर, लुधियाना में आयोजित इन खेलों का उद्घाटन स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्षा एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा की धर्मपत्नी डॉ. मल्लिका नड्डा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पंजाब के 59 स्कूलों के लगभग 500 विशेष खिलाड़ियों ने भाग लिया। आत्मसुख आत्मदेव आश्रम के 12 खिलाड़ियों में से 8 ने एथलेटिक्स तथा 4 ने टीम खेलों में हिस्सा लिया। आश्रम के खिलाड़ियों ने 16 प्रतिस्पर्धात्मक पदकों के अतिरिक्त एक पांचवां स्थान तथा 3 प्रतिभागिता पदक भी हासिल किए।

मनी सैनी ने 25 मीटर पैदल चाल और सॉफ्टबॉल थ्रो में एक-एक स्वर्ण पदक, जबकि समीर प्रसाद ने सॉफ्टबॉल थ्रो में स्वर्ण तथा 50 मीटर सहायक पैदल चाल में रजत पदक जीता। विकास ताखी ने 25 मीटर दौड़ और सॉफ्टबॉल थ्रो तथा हरजोत ने 200 मीटर दौड़ और गोला फेंक में एक-एक रजत पदक हासिल किया।

सागर ने 200 मीटर दौड़ में रजत और गोला फेंक में कांस्य पदक, भव्या ने 25 मीटर दौड़ में रजत पदक एवं सॉफ्टबॉल थ्रो में पांचवां स्थान प्राप्त किया। बोच्चे (क्लब्ष्ट) खेल में अदिति और अमनदीप कौर ने रजत, जबकि पारस और विवेक ने कांस्य पदक जीते। मितुल ने सॉफ्टबॉल थ्रो में कांस्य तथा 25 मीटर पैदल चाल में प्रतिभागिता पदक हासिल किया। मुस्कान ने 25 मीटर दौड़ एवं मिनी भाला फेंक में प्रतिभागिता पदक प्राप्त किए।

पंजाब स्टेट स्पेशल ओलंपिक्स कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनकी खेल प्रतिभा की सराहना की।

पेज एक का शेष

हिंद-प्रशांत में...

पहल का सुझाव दिया। इस पहल में युवा शिखर सम्मेलनों का आयोजन, युवा सांसदों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और स्टार्टअप हैकाथॉन आयोजित करना शामिल है। स्टार्टअप हैकाथॉन ऐसे कार्यक्रम होते हैं, जहां उद्यमी, सॉफ्टवेयर डेवलपर और इनोवेटर एक साथ आते हैं और एक निश्चित समय-सीमा के भीतर किसी विशेष चुनौती, बिजनेस आइडिया या प्रोडक्ट प्रोटोटाइप के लिए समाधान विकसित करके उन्हें पेश करते हैं। प्रधानमंत्री ने नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान देशों के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा।

इसके अलावा, मोदी ने 2027 में 'वर्ल्ड ऑडियोविजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' में एक 'आसियान-भारत क्रिएटिव पार्टनरशिप पैवेलियन' स्थापित करने का सुझाव दिया। एक अन्य प्रस्ताव में आसियान देशों से आने वाले लोगों को मुफ्त इलेक्ट्रॉनिक वीजा (ई-वीजा) देना शामिल है। इन प्रस्तावों का उद्देश्य समुद्री सहयोग, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, शिक्षा, युवाओं के आदान-प्रदान और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भारत-आसियान संबंधों का विस्तार करना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्रालय ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने आसियान की एकता और केंद्रीयता के प्रति भारत के अटूट समर्थन को दोहराया, और एक शांतिपूर्ण, खुले तथा समावेशी हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र के लिए हमारी साझा दृष्टि पर जोर दिया।' मंत्रालय ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री और आसियान नेताओं ने 'आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी' में हुई प्रगति की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।' 'एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस' (आसियान) एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन है, जो दक्षिण-पूर्व एशिया में अपने सदस्य देशों के बीच आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देता है। 1967 में स्थापित, आसियान में 11 सदस्य देश शामिल हैं: ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, तिमोर-लेस्ते और वियतनाम। भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया इसके संवाद साझेदारों (डायलॉग पार्टनर्स) में शामिल हैं। आसियान देशों के साथ भारत के संबंध उसकी 'एक्ट ईस्ट' नीति के मूल में हैं।

14 लोगों की...

मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने एम्स ऋषिकेश में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मुनि की रेती के एसएचओ प्रदीप चौहान ने बताया कि गुलार के पास बस अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए खाई में गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही ब्यासी चौकी के सब-इंस्पेक्टर स्वर सिंह के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य एजेंसियों की टीमें भी मौके पर तैनात की गईं। बचाव अभियान के दौरान, एसडीआरएफ के जवानों ने बस से शवों को निकालकर सड़क तक पहुंचाया, जहां से उन्हें एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। बचाव दलों ने बस से सभी 25 घायल यात्रियों को भी बाहर निकाला। उन्हें पहाड़ी के कठिन रास्ते से स्ट्रेचर के जरिए सड़क तक लाया गया और फिर एम्बुलेंस से अस्पतालों में पहुंचाया गया। घायलों में से 17 का इलाज एम्स ऋषिकेश में चल रहा है, जबकि बाकी 9 लोगों का इलाज ऋषिकेश के सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है।

इंस्टाग्राम पर अब...

को कहा था। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भ्रामक, तोड़-मरोड़ कर पेश किए गए या संदर्भ से हटकर दिखाए गए कंटेंट को बेवजह बढ़ावा न मिले। मेटा ने कोई सटीक डेटा तो नहीं दिया, लेकिन बताया कि एक साल पहले की तुलना में अब भारत में यूज़र्स को मिलने वाले रिकमेंडेड कंटेंट की मात्रा लगभग आधी हो गई है। भारत के आईटी मंत्रालय ने मेटा से यह भी कहा था कि वह उन कदमों के बारे में रिपोर्ट दे, जो यूज़र्स को किसी एकतरफा या सीमित नैरेटिव (विचारधारा) के प्रभाव से बचाने के लिए उठाए गए हैं। हालाँकि, मेटा ने इन बदलावों को सरकारी एडवाइज़री से नहीं जोड़ा है। इससे पहले, कंपनी ने कनाडा और ब्राज़ील जैसे देशों में अपने फेसबुक प्लेटफॉर्म पर कंटेंट रैंकिंग में बदलाव किए थे, ताकि राजनीतिक कंटेंट को कम किया जा सके।

'मेरी रसोई' योजना...

गलतियों को सुधारने का एक और मौका देगी; अगर सभी विवरण सही पाए जाते हैं, तो उनके राशन कार्ड तुरंत जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नए लाभार्थियों में सबसे बड़ा हिस्सा दलित समुदाय का है-खासकर वे परिवार जो अपनी आजीविका के लिए दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर हैं। भावुक होते हुए, श्री मान ने कहा, 'पंजाब गुरुओं और पीरों की धरती है; यहाँ कोई भी व्यक्ति कभी भूखा नहीं सोएगा।

गौरतलब है कि सरकार राशन कार्डों के दायरे को बढ़ाने और पोषण संबंधी सहायता देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इससे पहले फरवरी में, मुख्यमंत्री ने 'मेरी रसोई योजना' की घोषणा की थी। इस योजना के तहत, लगभग 40 लाख लाभार्थी परिवारों को एन.एफ.एस.ए. (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) के अंतर्गत मिलने वाले गेहूं के अलावा, मुफ्त राशन किट दी जानी थी-जिसमें दालें, चीनी, सरसों का तेल, नमक और हल्दी शामिल हैं। इसी पहल के तहत, सरकार ने जुलाई के महीने में 10 लाख नए राशन कार्ड जारी करने के लिए एक अभियान शुरू किया और इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए।

एम.एस. धोनी...

रिकॉर्ड पांच बार (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) चैंपियनशिप जीती, जबकि पांच बार टीम उपविजेता (रनर-अप) भी रही।

सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए, फ्रेंचाइजी ने लिखा, 'महेंद्र सिंह धोनी अब चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 'टीम मेंटर' की भूमिका निभाएंगे! अनगिनत जीत, मुश्किल दौर और ऐसी यादें जो हमेशा हमारे दिलों में रहेंगी-एमएस शुरुआत से ही हमारे सफर की आत्मा रहे हैं। शानदार जीत दिलाने से लेकर सुपर किंग्स की अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करने तक, 'थाला' हमेशा हमारी पहचान का हिस्सा रहेंगे, और चेन्नई हमेशा उनका घर रहेगा।'

केंद्र ने पंजाब...

इसलिए, जो कोई भी कालाबाजारी या अनधिकृत टैगिंग करते हुए पकड़ा जाएगा, उसे जेल की सजा होगी। इसके अलावा, उन्होंने घोषणा की कि केंद्र सरकार कीटनाशकों को लेकर एक नया और सख्त कानून ला रही है, ताकि नकली बीजों, मिलाव

मल्कानाा हक की घोषणा का पूरा श्रेय चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी जी को जाता है : कमलेश बनारसी दास

पैग़ाम-ऐ-जगत
चंडीगढ़ (हरमिन्दर नागपद्यल)

सांसद के निरंतर संघर्ष को मिली सफलता, चंडीगढ़ के निवासियों ने अपने सांसद का हृदय से किया धन्यवाद चंडीगढ़ के प्रशासक द्वारा रिहैबिलिटेशन कॉलोनियों और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनियों के निवासियों को मल्कानाा हक देने की घोषणा का स्वागत करते हुए पूर्व महापौर कमलेश बनारसी दास ने कहा कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का पूरा श्रेय चंडीगढ़ के सांसद श्री मनीष तिवारी जी को जाता है। उन्होंने कहा कि मनीष तिवारी जी ने लगातार संसद में इस मुद्दे को उठाकर चंडीगढ़ की जनता की वर्षों पुरानी मांग को केंद्र सरकार और प्रशासन तक पहुंचाया। उन्होंने हजारों परिवारों के मालिकाना हक की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ी और आज उनके संघर्ष को सफलता मिली है।

कमलेश बनारसी दास ने कहा कि यह नगर निगम की घोषणा नहीं, बल्कि चंडीगढ़ के प्रशासक द्वारा लिया गया फैसला है। इस फैसले के पीछे सांसद मनीष तिवारी जी के लगातार प्रयास और जनता के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष है। इसलिए इस उपलब्धि का श्रेय किसी और को देने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। चंडीगढ़ की जनता जानती है कि इस मुद्दे को संसद में लगातार किसने उठाया है।



उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के निवासी अपने सांसद श्री मनीष तिवारी जी का हृदय से धन्यवाद करते हैं और उनके प्रयासों की सराहना करते हैं। कमलेश बनारसी दास ने प्रशासन से मांग की कि अब इस घोषणा को जल्द से जल्द धरातल पर लागू किया जाए। हाउसिंग बोर्ड के साथ-साथ एस्टेट ऑफिस भी बिना देरी किए आवश्यक आदेश जारी करे, ताकि रिहैबिलिटेशन कॉलोनियों और हाउसिंग बोर्ड के मकानों में रहने वाले पात्र परिवारों को उनके घरों का कानूनी मालिकाना हक मिल सके कॉलोनियासियों की तरफ से सांसद मुनद्यश तिवारी जी कद्व आभार प्रगट कद्वया।

उन्होंने यह भी मांग की कि मकानों की कीमत पहले से निर्धारित पुरानी कीमतों के आधार पर तय की जाए, न कि वर्तमान बाजार दरों के अनुसार। जिन लोगों ने मकानों की निर्धारित कीमत पूरी जमा करवा दी है और जो GPA के माध्यम से मकानों में रह रहे हैं, उन्हें भी नियमों के अनुसार मालिकाना हक दिया जाए।

अंत में कमलेश बनारसी दास ने कहा कि चंडीगढ़ की जनता वर्षों से अपने ही घरों के मालिकाना हक के लिए संघर्ष कर रही है। अब समय आ गया है कि इस घोषणा को जल्द लागू करके हजारों परिवारों को उनके घरों का कानूनी मालिक बनाया जाए। इस दिशा में सांसद मनीष तिवारी जी के प्रयास सराहनीय हैं और चंडीगढ़ की जनता उनकी आभारी है।

मोहाली सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की 14वीं वार्षिक खेलों में सदस्यों ने दिखाया उत्साह

मोहाली, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

मोहाली सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की ओर से 14वीं डॉ. अमरजीत सिंह खैरा मेमोरियल वार्षिक खेलों का आयोजन किया गया। इसमें एसोसिएशन के सदस्यों ने कराओके, टेनिस और ताश के मुकाबलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एसोसिएशन के सचिव (पब्लिक रिलेशन्स) हरिंदर पाल सिंह हैरी ने बताया कि ताश के 60 प्लस वर्ग में शाम लाल सिंगला और ए.के. भार्गव ने पहला, कमल ग्रोवर और रानी उप्पल ने दूसरा तथा चरणजीत कलेर और हरविंदर सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया। 70 प्लस वर्ग में आर.पी.एस. विग और जे.एस. रामगढ़िया पहले, जसबीर सिंह और एस.पी. दुग्गल दूसरे तथा सुरजीत एस. चालियाना और आर.एस.डी. उप्पल तीसरे स्थान पर रहे। टेनिस सिंगल्स में हरजिंदर सिंह ने पहला, कैप्टन बलवंत गुरुनाय ने दूसरा और एस.एस. बेदी ने तीसरा स्थान हासिल किया। डबल्स मुकाबले में ब्रिगेडियर जे.एस. जगदेव और कैप्टन बलवंत गुरुनाय की जोड़ी विजेता रही, जबकि एस.एस. बेदी और आर.एस. भुल्लर की जोड़ी उपविजेता रही।

कराओके के पुरुषों के 60 प्लस वर्ग में चरणजीत सिंह कलेर पहले, चरणजीत सिंह दूसरे और के.बी.एस. गुलाटी तीसरे स्थान पर रहे। 70 प्लस वर्ग में बचित्तर सिंह, जी.एस. छाबड़ा और बी.एस. जस्सल ने क्रमशः पहले तीन स्थान हासिल किए। 80 प्लस वर्ग में कर्नल दर्शन सिंह पहले और हरकीरत सिंह दूसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में डॉ. बलविंदर राणा ने पहला, श्रीमती एस.के. गिल ने दूसरा और श्रीमती कुलजीत कौर ने तीसरा स्थान हासिल किया।

अंत में एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रिगेडियर जे.एस. जगदेव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और एसोसिएशन के सचिव (इवेंट्स) हरजिंदर सिंह तथा सहयोगी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

इजराइल से आए प्रतिनिधियों ने एमएचयू कुलपति से की मुलाकात



पैग़ाम-ऐ-जगत/करनाल, (प्रवीण वालिया)

इजराइल के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और सब्जी उत्पादन (माशाव) विशेषज्ञ डेनियन हदद ओर नई दिल्ली स्थित इजराइल दूतावास में कृषि अताशे ओर अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (माशाव) प्रतिनिधि उरी रुबिनस्टीन मंगलवार को करनाल स्थित महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चरल यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति ओर भारत सरकार के कृषि मंत्रालय एवं बागवानी विभाग के पूर्व कमिश्नर प्रो. सुरेश मल्होत्रा से मुलाकात की।

इजराइली विशेषज्ञों ने माननीय कुलपति प्रो. सुरेश द्वारा कम संसाधनों से अधिक गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को लेकर की जा रहे अनुसंधानों ओर कृषि के बीच पहुंचाएं जा रहे नवाचारों को लेकर बहुत सराहना की। इजराइली प्रतिनिधियों ने एमएचयू के साथ मिलकर शोध कार्यों को लेकर काम करने की इच्छा जताई। कुलपति प्रो सुरेश मल्होत्रा ने इजराइल से आए प्रतिनिधियों को एमएचयू द्वारा कम समय में स्थापित आयामों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एमएचयू लगातार नई तकनीकों को किसानों के तक पहुंचा रहा है, साथ ही किसान भाईयों को नवाचारों के साथ खेती आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने बताया कि इंडो इजराइल सेंटर एक्सीलेंस में अनुसंधान की आवश्यकता को उद्यानिकी विश्वविद्यालय पूरा करेगा।

लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ परखने के लिए 100 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

ऊना, 17 नवंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

- **निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा, 20 विद्यार्थी राज्य स्तरीय स्पर्धा में करेंगे ऊना का प्रतिनिधित्व**



भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तहत मंगलवार को बचत भवन ऊना में जिला स्तरीय निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों को चुनावी प्रक्रिया और मतदान के महत्व से परिचित करवाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त इशांत जसवाल ने की।

निबंध प्रतियोगिता के लिए 'शुद्ध मतदाता सूची का महत्व' और 'मतदान का महत्व' विषय निर्धारित किए गए थे। वहीं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट, मतदान प्रक्रिया और मतगणना से जुड़े सवाल पूछे गए।

अतिरिक्त उपायुक्त इशांत जसवाल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक, जिम्मेदार और सक्रिय नागरिकों की भागीदारी से सुनिश्चित होती है। युवाओं को शुरुआती स्तर से ही चुनावी प्रक्रिया और मतदान के महत्व की जानकारी देना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अपने मताधिकार का प्रयोग पूरी समझदारी और जिम्मेदारी के साथ कर सकें। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। ऐसी गतिविधियों से विद्यार्थियों की चुनावी समझ, तार्किक क्षमता और विचार अभिव्यक्ति को बढ़ावा मिलने के साथ उनमें लोकतांत्रिक अधिकारों एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता भी विकसित होती है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निर्धारित मापदंडों के आधार पर जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति द्वारा आकलन किया जाएगा। निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अलग-अलग शीर्ष 10-10 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। इस प्रकार चयनित 20 विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिला ऊना का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अवसर पर तहसीलदार निर्वाचन सुमन कपूर, नायब तहसीलदार अजय शर्मा, जिला भाषा अधिकारी निक्कू राम, अनुभाग अधिकारी डाइट कश्मीर सिंह, डिप्टी डायरेक्टर क्वालिटी एजुकेशन नीरज गर्ग, राजपाल राणा, लेक्चरर इंग्लिश तरुणा कालिया और लेक्चरर हिंदी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली में एनएसएस इकाई ने लगाया एक दिवसीय स्वच्छता शिविर

पैग़ाम-ऐ-जगत/हरोली/ऊना
17 नवंबर (राजवीर चोपड़ा)



प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एक दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एनएसएस स्वयंसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया। इसके साथ ही परिसर में लगे पेड़-पौधों को पानी भी दिया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई की तथा कूड़े-कचरे का उचित निपटान कर स्वच्छता का संदेश दिया। स्वयंसेवियों को स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र कुमार ने एनएसएस स्वयंसेवियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

एनएसएस प्रभारी डॉ. शकुंतला राणा ने बताया कि यूनिट के सभी 100 स्वयंसेवियों को महाविद्यालय परिसर में लगे एक-एक पौधे को गोद दिया गया है, ताकि वे उनकी उचित देखभाल कर सकें।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में श्रमदान, सामाजिक सेवा और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। शिविर में एनएसएस सहायक राजकुमार ने भी अपना सहयोग प्रदान किया।

आरसेटी ऊना में नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण 19 नवंबर से होगा शुरू

ऊना, 17 नवंबर, (पैग़ाम-ऐ-जगत)

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), ऊना की ओर से 19 नवंबर से नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। संस्थान के निदेशक विजय सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रहने और खाने की सुविधा के साथ सिलाई से संबंधित आवश्यक सामग्री भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए जिला ऊना के 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के स्थायी निवासी आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 18 नवंबर तक आधार कार्ड और राशन कार्ड की छायाप्रति तथा तीन पासपोर्ट आकार के फोटो सहित पीएनबी आरसेटी कार्यालय, आरटीओ कार्यालय के समीप रामपुर (ऊना) में पंजीकरण करवा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 9736481976 पर संपर्क किया जा सकता है।

RSETI
Rural Self Employment Training Institutes
Powering Rural Entrepreneurship

पांच साल बाद बदले रामतलाई के प्रधान, आरडी शास्त्री के हाथ कमान



चंडीगढ़, 17 नवंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

श्री रामतलाई, नजदीक बस स्टैंड, डेराबस्सी की केयरटेकर प्राचीन श्री रामतलाई सौंदर्यकरण समिति की बैठक निवर्तमान प्रधान सुशील व्यास की अध्यक्षता में भविप कार्यालय में हुई। इसमें आगामी दो साल के कार्यकाल के लिए नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। चुनाव प्रक्रिया सोम नाथ शर्मा द्वारा संचालित की गई। सर्वसम्मति से आरडी शास्त्री को प्रधान बनाया गया। उनके अलावा राकेश अचिंत को सचिव व उपेश बंसल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई। सदस्यों ने पांच साल निर्विरोध प्रधान रहे सुशील व्यास व अन्य पदाधिकारियों के पांच वर्ष के कार्यकाल भरपूर सराहना की। साथ नवगठित मैनेजमेंट को नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

जनगणना-2027: स्वयं-गणना प्रक्रिया संबंधी जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता मुहिम तेज

पैग़ाम-ऐ-जगत
हुशियारपुर/दलजीत अजनोहा

- **नागरिकों से पूरी भागीदारी की अपील**
- **उपायुक्त ने अधूरे फॉर्म शीघ्र जमा करवाने की अपील की**
- **एस.डी.एम. स्तर पर भी जागरूकता बैठकें आयोजित की जा रही हैं**



जनगणना-2027 के तहत स्वयं-गणना प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष जागरूकता मुहिम चलाई जा रही है। उपायुक्त आशिका जैन ने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं-गणना प्रक्रिया में पूरी तरह भाग लें और जिन परिवारों ने अभी तक अपने फॉर्म जमा नहीं करवाए हैं, वे 30 नवंबर 2026 तक आधिकारिक पोर्टल httpsÑ//se.census.gov.in/ के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज करवाकर फॉर्म जमा करवा दें। उन्होंने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर हेल्पलाइन नंबर 1855 पर भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से जनगणना का कार्य सुचारू रूप से पूरा करने में मदद मिलेगी।

उपायुक्त आशिका जैन ने बताया कि जिले ने स्वयं-गणना प्रक्रिया में पंजाब भर में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने जिले के नागरिकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस भागीदारी को और बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से उन परिवारों से अपील की, जिन्होंने फॉर्म भरना शुरू तो कर दिया है, लेकिन अभी तक उसे अंतिम रूप से जमा नहीं करवाया है, कि वे इसे जल्द से जल्द पूरा करें। केवल फॉर्म भरना शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे पूरी तरह भरकर जमा करवाना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी गोपनीय रखी जाएगी और जनगणना के आंकड़े भविष्य में विकास योजनाओं तथा सार्वजनिक सुविधाओं की बेहतर योजना बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। इसी कड़ी में एस.डी.एम. हुशियारपुर परमप्रीत सिंह तथा एस.डी.एम. गढ़शंकर संजीव कुमार द्वारा भी अपने-अपने उपमंडलों में विभिन्न स्तरों पर बैठकें करके अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को स्वयं-गणना प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इन बैठकों के माध्यम से लोगों को जनगणना के महत्व, ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया और निर्धारित समय-सीमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। साथ ही नागरिकों को इस मुहिम में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिला जनगणना कार्य के प्रभारी डॉ. राधा रमन तथा जिला समन्वयक अंकित दलाल और नीतीश तिवाड़ी भी जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से इस प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे 30 नवंबर तक अपनी स्वयं-गणना की प्रक्रिया पूरी करके जिले की बेहतर भागीदारी सुनिश्चित करें।

विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड के चेयरमैन ने अधिकारियों के साथ की मीटिंग

पैग़ाम-ऐ-जगत/अंबाला
17 नवंबर (आर. सिंह)



हरियाणा विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड के चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा और उप चेयरमैन ओम पाल ने मंगलवार को अंबाला शहर के पंचायत भवन के ऑडिटोरियम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि विमुक्त घुमंतू जाति से संबंधित सभी योग्य व्यक्तियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलवाया जाए। पहुंचने पर जिला परिषद के सीईओ गगनदीप और एसडीएम दर्शन कुमार ने उन्हें फूलों के गुलदस्ते भेंट करके स्वागत किया।

मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए जसमेर सिंह बंजारा ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। विमुक्त घुमंतू जाति से संबंधित सभी समुदायों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करना और उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की अहम जिम्मेदारी है। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य योग्य व्यक्तियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देना और उन्हें इनका निरंतर लाभ दिलवाना है। उन्होंने अधिकारियों से इस काम में पूरा सहयोग देने की अपील की।

उन्होंने बताया कि अनुसूचित जातियों और पिछड़ी श्रेणियों के अलावा हरियाणा में विमुक्त घुमंतू और टप्परीवास समुदायों के 35 समूह रहते हैं। इन समुदायों के लोगों ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सरकार द्वारा इनके आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर कार्ड, पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज बनाने के लिए विशेष कैंप लगाए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि इन लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। चेयरमैन ने पुलिस, नगर निगम, नगर कौंसिल, नगर पालिकाओं, पंचायत, शिक्षा, जन स्वास्थ्य, जिला कल्याण, महिला एवं बाल विकास, श्रम, राजस्व और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों को अपने दफ्तरों में हेल्प डेस्क स्थापित करने के लिए कहा। उन्होंने विशेष कैंपों के माध्यम से बस्तियों और अन्य स्थानों पर लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करने की भी अपील की।

इस मौके जिला परिषद के सीईओ गगनदीप ने भरोसा दिया कि सभी विभागों के साथ तालमेल करके योग्य लोगों को योजनाओं का लाभ समय पर दिलवाने के लिए यत्न किए जाएंगे और जिला प्रशासन इस काम में पूरा सहयोग देगा।

पराली जलाने पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जे. गणेशन ने डीसी राहुल नरवाल की सराहना की

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)



- **पिछले खरीफ सीजन में 45 मामले आए थे सामने, इस वर्ष हरसेक से मिले छह मामलों में जांच के बाद केवल एक की पुष्टि**

अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं हांसी जिले के प्रशासनिक सचिव डॉ. जे. गणेशन ने मंगलवार को जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर फसल अवशेष प्रबंधन, मुख्यमंत्री की घोषणाओं, फसल खरीद और मंडियों से उठान की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त राहुल नरवाल, अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, नारनौंद के एसडीएम विकास यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. गणेशन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में पराली जलाने की घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। इसके लिए कृषि, राजस्व, पंचायत और अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय से लगातार निगरानी करें। उन्होंने किसानों को सरकारी योजनाओं, कृषि यंत्रों और प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी देने पर भी जोर दिया, ताकि पराली को जलाने के बजाय पशुओं के चारे और अन्य कृषि कार्यों में उपयोग किया जा सके। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डीसी राहुल नरवाल के मार्गदर्शन में लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। किसानों को व्यक्तिगत संपर्क और गांवों में गतिविधियों के माध्यम से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पराली जलाने की पुष्टि होने पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले खरीफ सीजन में जिले में पराली जलाने की 45 घटनाएं सामने आई थीं। इस वर्ष हरसेक से छह मामले रिपोर्ट हुए, जिनकी मौके पर जांच की गई। इनमें से केवल एक मामले की पुष्टि हुई और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा चुकी है। डॉ. गणेशन ने इन प्रयासों पर संतोष जताते हुए उपायुक्त राहुल नरवाल के नेतृत्व, कार्यप्रणाली और विभागों के बीच बेहतर समन्वय की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों से पूरे फसल सीजन में इसी सक्रियता के साथ काम जारी रखने को कहा, ताकि जिले को पराली जलाने की घटनाओं से मुक्त किया जा सके।

बैठक में मुख्यमंत्री की घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित कार्यों की औपचारिकताएं जल्द पूरी करने और विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

अनाज मंडियों में खरीद और उठान व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने पारदर्शी खरीद, किसानों को पर्याप्त सुविधाएं और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने खरीदी गई फसल का समय पर उठान करवाने के निर्देश भी दिए, ताकि मंडियों में भीड़ और जाम की स्थिति न बने।

भारत में सीओपीडी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की जरूरत: डॉ. सुमित भारती

चंडीगढ़, (पैग़ाम-ऐ-जगत)

क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के बढ़ते वैश्विक खतरे को रेखांकित करते हुए पार्क अस्पताल पंचकूला और पार्क अस्पताल मोहाली के वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्टों ने समय पर बीमारी की पहचान, उचित उपचार और बचाव के उपायों के महत्व पर जोर दिया। इस संबंध में मंगलवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विशेषज्ञों ने सीओपीडी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी साझा की।

इस अवसर पर पार्क अस्पताल पंचकूला से डायरेक्टर - पल्मोनोलॉजी डॉ. एसके गुप्ता और कंसल्टेंट - पल्मोनोलॉजी डॉ. अमनप्रीत कौर, पार्क अस्पताल मोहाली से कंसल्टेंट - पल्मोनोलॉजी तथा पार्क अस्पताल मोहाली से कंसल्टेंट - पल्मोनोलॉजी डॉ. हितेश गौर और एसोसिएट डायरेक्टर - पल्मोनोलॉजी डॉ. सुमित भारती उपस्थित रहे।

डॉ. एसके गुप्ता ने सीओपीडी की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल है और हृदय रोग तथा कैंसर के बाद मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने बताया कि सीओपीडी फेफड़ों की एक प्रगतिशील बीमारी है, जिसमें फेफड़ों के भीतर हवा के आने-जाने का प्रवाह बाधित हो जाता है और मरीज को सांस लेने में लगातार परेशानी होने लगती है। उन्होंने कहा, 'कई लोग सांस फूलने और लगातार खांसी आने को बढ़ती उम्र का सामान्य लक्षण मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। बीमारी के शुरुआती चरणों में लक्षण हल्के हो सकते हैं या आसानी से पहचान में नहीं आते, जिसके कारण मरीज को पता भी नहीं चलता और बीमारी धीरे-धीरे गंभीर होती जाती है।'

डॉ. हितेश गौर ने सीओपीडी के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दुनियाभर में बीमारी और समय से पहले होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है। यह बीमारी आमतौर पर 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में देखी जाती है, विशेषकर ऐसे लोगों में जिन्हें लंबे समय तक धूम्रपान करने की आदत रही हो। हालांकि, धूम्रपान न करने वाले लोग भी लंबे समय तक हानिकारक तत्वों के संपर्क में रहने के कारण सीओपीडी से प्रभावित हो सकते हैं।

'पैगाम-ए-जगत' में प्रकाशित सामग्री और अन्य विवादों से संबंधित मामलों का निपटारा केवल मोहाली (चंडीगढ़) न्यायालय में ही किया जाएगा। यह आवश्यक नहीं है कि संपादक लेखकों की राय से सहमत हो। -संपादक, पैगाम-ए-जगत

श्रद्धा भाव से मनाया शहीद करतार सिंह सराभा का 111वां शहीदी दिवस

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

शहीद भगत सिंह संगठन समिति की ओर से समिति अध्यक्ष सरदार कृष्ण इलावादी के नेतृत्व में बजरंग आश्रम पावन धाम में

- **शहीद भगत सिंह संगठन समिति ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि, शहीदों की कुर्बानी को किया याद**



महान क्रांतिकारी शहीद करतार सिंह सराभा का 111वां शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने शहीद करतार सिंह सराभा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने शहीदों के सम्मान में अमर रहे के नारे लगाए। कार्यक्रम में जिले सिंह धूपिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

समिति के प्रधान सरदार कृष्ण इलावादी ने कहा कि आज ही के दिन महान क्रांतिकारी करतार सिंह सराभा को लाहौर में फांसी दी गई थी। उनके साथ छह अन्य क्रांतिकारियों को भी देश की आजादी के लिए संघर्ष करने के कारण फांसी की सजा दी गई थी। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों ने अंग्रेजी हुकूमत से भारत को आजाद करवाने के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया। देश की आजादी में उनके योगदान और त्याग को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

किशोरी लाल नागपाल ने कहा कि शहीद करतार सिंह सराभा का जन्म एक बेहद संपन्न परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने सुख-सुविधाओं और धन-दौलत को त्यागकर देश को आजाद करवाने का संकल्प लिया। उनके मन में देशभक्ति और आजादी की ऐसी भावना थी कि उन्होंने अपना पूरा जीवन मातृभूमि के नाम समर्पित कर दिया।

विजय पाल शास्त्री ने कहा कि शहीद करतार सिंह सराभा जैसे महान क्रांतिकारियों का जन्मदिवस और शहीदी दिवस पूरे देश में पर्व की तरह मनाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके बलिदान और देशभक्ति से प्रेरणा ले सकें।

इस मौके पर ओमप्रकाश मुंजाल, जिले सिंह धूपिया, किशोरी लाल नागपाल, प्रेम गुलाटी, रामस्वरूप खट्टर, हमेश खुराना, सुभाष मेहता, पंडित जी, रमेश कुकडेजा, फतेह सिंह, सोनू, मलकियत, ऋषि कुमार, संजय मुंजाल, शमशेर चौहान, जयकुंवार चौहान सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गाड़ी में आग लगने पर घबराएं नहीं, समय पर उठाया गया सही कदम बचा सकता है कई जानें : एसपी विनोद कुमार

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

हांसी के पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने आमजन से अपील की है कि वाहन में अचानक आग लगने या धुआं उठने पर घबराने के बजाय धैर्य और समझदारी से काम लें। उन्होंने कहा कि ऐसी आपात स्थिति में हर सेकंड कीमती होता है और समय पर उठाया गया सही कदम यात्रियों की जान बचा सकता है।

एसपी ने सलाह दी कि आग लगने का आभास होने या जलने की गंध आने पर वाहन को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रोककर इंजन बंद कर दें। सभी सवारियां सीट बेल्ट खोलकर तुरंत बाहर निकलें। दरवाजे लॉक होने या न खुलने पर खिड़की से बाहर निकलने का प्रयास करें। पावर विंडो काम न करने पर साइड का शीशा तोड़कर बाहर निकलें।

आपात स्थिति में शीशा तोड़ने के तरीके

गाड़ी में शीशा तोड़ने वाला विशेष सुरक्षा उपकरण रखें, जिससे दरवाजा न खुलने पर साइड की खिड़की तोड़ी जा सके।

ऐसा उपकरण न होने पर, यदि हेडरेस्ट आसानी से निकलता है, तो उसकी लोहे की रॉड को वैकल्पिक उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि यह तरीका हर गाड़ी में कारगर नहीं होता।



आगे का शीशा तोड़ने से बचें, क्योंकि यह मजबूत लैमिनेटेड ग्लास से बना होता है। साइड या पीछे की खिड़की को प्राथमिकता दें। बाहर निकलते समय बच्चों, बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों की पहले मदद करें।

गाड़ी से बाहर निकलने के बाद सावधानियां

वाहन से कम से कम 30 मीटर दूर चले जाएं।

सामान लेने के लिए दोबारा गाड़ी के पास न जाएं।

तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दें।

आग बुझाने का प्रयास तभी करें, जब ऐसा करना पूरी तरह सुरक्षित हो।

एसपी ने वाहन चालकों को गाड़ी में विशेष शीशा तोड़ने वाला उपकरण और अग्निशामक यंत्र रखने, नियमित सर्विसिंग करवाने तथा नकली या अनधिकृत वायरिंग से बचने की सलाह दी। धुआं या जलने की गंध आने पर तुरंत वाहन रोककर सभी सवारियों को बाहर निकालें। सुरक्षा उपकरणों की समय-समय पर जांच करें और परिवार के सदस्यों को उनका इस्तेमाल करना सिखाएं।

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर

पुलिस: 112
फायर ब्रिगेड: 101
एम्बुलेंस: 108

एसपी विनोद कुमार ने लोगों से यातायात सुरक्षा नियमों का पालन करने और आपात स्थिति के लिए पहले से तैयार रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सतर्कता बड़े हादसे को टाल सकती है।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली की एनसीसी-आर्मी विंग ने सड़क सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया

मोहाली, 17 नवंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में, आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ (एआईएल), सेक्टर-68, मोहाली की एनसीसी-आर्मी विंग ने आज सुबह 10:30 बजे कॉलेज के सेमिनार हॉल में एक प्रभावशाली सड़क सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कानून के छात्रों को जिम्मेदार ड्राइविंग आदतों और यातायात नियमों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से आयोजित किया गया था।

इस सत्र की शोभा प्राचार्य डॉ. रश्मि खोराना नागपाल, रजिस्ट्रार कर्नल गुरदेव सिंह (सेवानिवृत्त) और प्लेसमेंट अधिकारी कर्नल पंकज खन्ना (सेवानिवृत्त) की



सम्मानित उपस्थिति से बढ़ी। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वय और नेतृत्व केयरटेकर अधिकारी (सीटीओ) डॉ. सविता सैनी के मार्गदर्शन में किया गया।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस का प्रतिनिधित्व करते हुए, संसाधन व्यक्तियों हेड कांस्टेबल राजीव शर्मा और कांस्टेबल प्रशांत कौशिक ने एनसीसी कैडेटों और छात्रों को महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा उपायों, यातायात नियमों, रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों और यातायात उल्लंघनों के कानूनी परिणामों पर संबोधित किया।

वास्तविक जीवन के केस स्टडी और व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से, अधिकारियों ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सड़कों पर अनुशासन की संस्कृति को बढ़ावा देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्राचार्य डॉ. रश्मि खोराना नागपाल ने एनसीसी-आर्मी विंग द्वारा की गई पहल की सराहना की और आने वाले अधिकारियों और चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस को उनके मूल्यवान अंतर्दृष्टि के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने रेखांकित किया कि महत्वाकांक्षी कानूनी पेशेवरों के रूप में, छात्रों को अदालत और सड़कों दोनों पर कानून को बनाए रखने में उदाहरण पेश करना चाहिए।

कार्यक्रम का समापन एक आकर्षक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसके बाद सीटीओ डॉ. सविता सैनी द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया, जिसमें कॉलेज प्रशासन, चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के आने वाले अधिकारियों और छात्रों की उत्साही भागीदारी के समर्थन को स्वीकार किया गया।

एसजीजीएस कॉलेज, सेक्टर 26, चंडीगढ़ ने पंजाब यूनिवर्सिटी इंटर-कॉलेज हॉकी चैंपियनशिप 2025-26 जीती

चंडीगढ़, 17 नवंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

चंडीगढ़ में पंजाब यूनिवर्सिटी कैंपस के हॉकी स्टेडियम में आयोजित 'पंजाब यूनिवर्सिटी इंटर-कॉलेज हॉकी चैंपियनशिप (पुरुष)' में एसजीजीएस कॉलेज, सेक्टर 26, चंडीगढ़ विजेता (चैंपियन) बना।

एक रोमांचक फाइनल लीग मैच में, एसजीजीएस कॉलेज ने श्री गुरु हरगोबिंद साहिब कॉलेज, गुरुसर सुधार (लुधियाना) को 3-1 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। गुरुसर सुधार का जीएचजी खालसा कॉलेज उपविजेता (रनर-अप) रहा। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए, एसजीजीएस कॉलेज ने इससे पहले जीजीडीएसडी कॉलेज को हराया था... उन्होंने सेक्टर 32, चंडीगढ़ के कॉलेज को 8-1 के बड़े अंतर से हराकर चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम किया।



डॉ. गुरचरण सिंह गिल, डॉ. अमोलक सिंह, कोच विक्रम और शारीरिक शिक्षा विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन) के मार्गदर्शन में, टीम ने बेहतरीन तालमेल, आक्रामक खेल शैली और मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया। एसजीजीएस कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. जसविंदर सिंह ने टीम को बधाई दी और कहा कि उन्होंने संस्थान का मान बढ़ाया है और हॉकी में कॉलेज की शानदार परंपरा को कायम रखा है।

कॉलेज प्रबंधन, स्टाफ और छात्रों ने विजेता टीम के प्रयासों की सराहना की।

परिणामों पर एक नज़र

फाइनल लीग मैच: एसजीजीएस कॉलेज, सेक्टर 26 ने जीएचजी खालसा कॉलेज, गुरुसर सुधार को (3-1) से हराया।

अन्य लीग मैच: एसजीजीएस कॉलेज, सेक्टर 26 ने जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर 32 को 8-1 से हराया।

जीएचजी खालसा कॉलेज, गुरुसर सुधार ने जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर 32 को 3-1 से हराया।

ग़ज़लकार गुरदीप सैनी के ग़ज़ल संग्रह 'और ते बरसात' पर चर्चा और साहित्यिक कार्यक्रम

लुधियाना, 19 नवंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना के सहयोग से, पंजाबी साहित्य चेतना मंच, बंगा ने भाई संगत सिंह खालसा कॉलेज, बंगा में एक चर्चा और साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कवि गुरदीप सिंह सैनी के पहले ग़ज़ल संग्रह 'और ते बरसात' (सूखा और बारिश) पर केंद्रित था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले पैनल में प्रिंसिपल डॉ. रंजीत सिंह, प्रोफेसर बलदेव सिंह बल्ली, प्रिंसिपल डॉ. हरभजन सिंह करनाना (भारत विभूषण), डॉ. सोमा सबलोक और स्वयं लेखक गुरदीप सैनी शामिल थे।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए, मंच की अध्यक्ष डॉ. सोमा सबलोक ने सभी अतिथियों और साहित्य प्रेमियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने संगठन के उद्देश्यों और अब तक की उसकी उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दी। किताब पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करते हुए, डॉ. शमशेर मोही ने कहा कि लेखक ने व्यक्तिगत दुखों के बजाय सामाजिक मुद्दों को अधिक महत्व दिया है। मानवीय चरित्र की पवित्रता और श्रेष्ठता को



इंसान होने की बुनियादी शर्त मानते हुए, लेखक ने अपने विचारों को इसी विषय के इर्द-गिर्द बुना है। उनकी मुख्य चिंता यह है कि मानवीय चरित्र का भारी पतन हुआ है; उन्हें अपने आस-पास के लोग काफी हद तक बनावटी, खोखले, दूषित और कपटी लगते हैं-जिसका अर्थ यह है कि पूरी सामाजिक व्यवस्था चरमरा गई है।

दूसरे शोध-पत्र में, एस. संत सिंह सोहल ने कहा कि ग़ज़ल अब केवल महिलाओं को संबोधित करने तक सीमित नहीं रह गई है; बल्कि, यह एक अत्यंत संवेदनशील और लोकप्रिय साहित्यिक विधा के रूप में विकसित हुई है, जो वैश्विक घटनाओं से जुड़ती है।

किताब पर अपने विचार रखते हुए, यह बताया गया कि लेखक लोगों को जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और उनसे अपने हितों के लिए खड़े होने और लड़ने का आह्वान करते हैं। अपनी लेखनी के माध्यम से, लेखक लोगों को जगाना चाहते हैं और उन्हें अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता और जाति व्यवस्था को बढ़ावा देने वालों की विनाशकारी चालों से दूर, प्रकाश की ओर ले जाना चाहते हैं-एक ऐसी स्थिति की ओर जहाँ हर व्यक्ति के हितों की रक्षा हो सके। भाई संगत सिंह खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रंजीत सिंह ने पंजाबी साहित्य को समृद्ध करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल की सराहना की।

चर्चा में शामिल अन्य लोगों-जिनमें पूर्व डी.पी.आर.ओ. प्रोफेसर बलदेव सिंह बल्ली, प्रिंसिपल नवतेज गढ़दीवाला, डॉ. कुलदीप कौर, उपन्यासकार गुरनाम बावा और डॉ. गुलबहार सिंह शामिल थे-ने अपने विचार रखे, सराहना की, सुझाव दिए और महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ कीं। कवि गुरदीप सैनी ने पूरी चर्चा पर बात करते हुए, मिली सराहना और आलोचनात्मक फीडबैक दोनों पर संतोष व्यक्त किया और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया।

अंत में, प्रिंसिपल डॉ. हरभजन सिंह करनाना (भारत विभूषण) और अन्य लोगों ने सभी अतिथियों, चर्चा में भाग लेने वाले दर्शकों, कॉलेज के प्रिंसिपल और सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त किया। इंजीनियर जसवीर सिंह मेरॉन ने पूरे कार्यक्रम का संचालन बहुत कुशलता से किया और अपने विचार भी साझा किए। इस साहित्यिक कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा, नाटककार सोढ़ी राणा, जसविंदर भटोआ, आकाश विरदी, उपन्यासकार गुरनाम बावा, सुरेश चौहान करनाना, दीप जगतपुरी, रंजीत पोसी, शाम सुंदर पोसी, अमरजीत अमरी (पॉल कदीम), विनय शर्मा, मैडम रजनी शर्मा, डॉ. केवल राम, दलवीर माही, सरबजीत मंगूवाल, सतपाल सहलोन, कुलविंदर कुल्ला, नूर कमाल, दीप शेरगिल, गुरकरण पद्दी, कुणाल शर्मा, मोहित कुमार, सेवा सिंह नूरपुरी और बलजीत कौर झुट्टी ने भाग लिया।

हांसी की मानसी मोर ने राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

हांसी की होनहार बेटी और शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग एकेडमी की खिलाड़ी मानसी मोर ने सीनियर राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

हिसार स्थित मंजीत लोहान बॉक्सिंग एकेडमी में 12 से 15 नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मानसी ने पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबले खेले। अपनी बेहतरीन तकनीक, फुर्ती, मजबूत इच्छाशक्ति



और सटीक पंचों के दम पर उन्होंने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

उनके कोच विनोद कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मानसी मेहनती, अनुशासित और समर्पित खिलाड़ी हैं। वह नियमित अभ्यास करती हैं और उनकी सफलता निरंतर मेहनत तथा कठिन प्रशिक्षण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि मानसी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा साबित कर सकती हैं। मानसी की सफलता में उनके पिता हरवीर मोर, दादा दलबीर मोर और कोच विनय कुमार का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परिवार ने हमेशा उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया, जबकि प्रशिक्षकों ने उनकी शारीरिक फिटनेस, तकनीक, अनुशासन और मानसिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया। मानसी की यह उपलब्धि शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग एकेडमी के लिए भी गर्व का विषय है। उनकी सफलता अन्य युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि मानसी भविष्य में भी इसी तरह सफलता हासिल कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश तथा प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

पीजीआई रक्त विज्ञान टीम ने हेमाटोकॉन 2026 संगोष्ठी में जीते शीर्ष सम्मान

चंडीगढ़, 16 नवंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

पीजीआईएमईआर की टीम ने इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूज़न (आईएसएचबीटी) की 67वीं वार्षिक संगोष्ठी, हेमाटोकॉन 2026, में आयोजित राष्ट्रीय रक्त विज्ञान क्विज़ में प्रथम पुरस्कार जीता। यह संगोष्ठी 12 से 15 नवंबर 2026 तक अहमदाबाद में आयोजित हुई। इसका विषय 'रक्त विज्ञान में उन्नति: साक्ष्य से नैदानिक उत्कृष्टता तक' था। क्विज़ टीम में डॉ. आयुषी (पैथोलॉजी), डॉ. प्रवीण (आंतरिक चिकित्सा) और डॉ. कल्पना (बाल रोग) शामिल थे। उनकी यह जीत रक्त विज्ञान की सहयोगात्मक और बहु-विषयक प्रकृति को दर्शाती है। इसमें प्रयोगशाला चिकित्सा के साथ-साथ रक्त विकारों से पीड़ित रोगियों की वयस्क और बाल चिकित्सीय देखभाल, दोनों का योगदान है।

- **हेमेटोलॉजी (रक्त विज्ञान) विभाग के विद्यार्थियों और रेज़िडेंट्स ने अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन से पुरस्कार जीते**

रक्त विज्ञान विभाग के अन्य विद्यार्थियों और रेज़िडेंट्स ने भी संगोष्ठी में कई सम्मान जीते। डॉ. मुग्धा गौतम ने आयरन की कमी पर अपने कार्य के लिए आईएसएचबीटी का प्रो. के.सी. दास पुरस्कार जीता। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के रक्त विज्ञान विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष के नाम पर स्थापित किया गया है। डॉ. चंदन भाटिया ने तीव्र माइलॉइड ल्यूकेमिया पर अपने शोध के लिए राष्ट्रीय रक्त विज्ञान पत्रिका आईजेएचबीटी में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ मौलिक लेख का पुरस्कार जीता। डॉ. पोमिला सिंह ने रक्त कैंसर में गंभीर आनुवंशिक उत्परिवर्तनों (म्यूटेशनों) पर अपने व्याख्यान के लिए तृतीय पुरस्कार जीता। श्री वसंत कुमार ने नवजात शिशु में होने वाले रक्त के थक्के जमने के एक दुर्लभ रोग पर अपने पोस्टर के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता। सुश्री सुधांशी रैना का अस्थि मज्जा विफलता सिंड्रोम पर आधारित सार जेसी पटेल पुरस्कार के लिए चुने गए शीर्ष पाँच सारों में शामिल रहा। मुस्कान ने सर्वश्रेष्ठ तकनीकी पोस्टर के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता। ये उपलब्धियाँ उच्च गुणवत्ता वाली रोगी-केंद्रित देखभाल, अत्याधुनिक शोध और रक्त विज्ञान में विशेषज्ञ प्रशिक्षण के प्रति पीजीआईएमईआर की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो भावी युवा चिकित्सकों और वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन करता है। विभाग सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता है और अपने संकाय, सहकर्मियों तथा सहयोगी विभागों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता है।

भारत में सीओपीडी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की जरूरत: डॉ. सुमित भारती

चंडीगढ़, 17 नवंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के बढ़ते वैश्विक खतरे को रेखांकित करते हुए पार्क अस्पताल पंचकूला और पार्क अस्पताल मोहाली के वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्टों ने समय पर बीमारी की पहचान, उचित उपचार और बचाव के उपायों के महत्व पर जोर दिया। इस संबंध में मंगलवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विशेषज्ञों ने सीओपीडी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी साझा की।

इस अवसर पर पार्क अस्पताल पंचकूला से डायरेक्टर - पल्मोनोलॉजी डॉ. एसके गुप्ता और कंसल्टेंट - पल्मोनोलॉजी डॉ. अमनप्रीत कौर, पार्क अस्पताल मोहाली से कंसल्टेंट - पल्मोनोलॉजी तथा पार्क अस्पताल मोहाली से कंसल्टेंट - पल्मोनोलॉजी डॉ. हितेश गौर और एसोसिएट डायरेक्टर - पल्मोनोलॉजी डॉ. सुमित भारती उपस्थित रहे।

डॉ. एसके गुप्ता ने सीओपीडी की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल है और हृदय रोग तथा कैंसर के बाद मृत्यु



का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने बताया कि सीओपीडी फेफड़ों की एक प्रगतिशील बीमारी है, जिसमें फेफड़ों के भीतर हवा के आने-जाने का प्रवाह बाधित हो जाता है और मरीज को सांस लेने में लगातार परेशानी होने लगती है।

उन्होंने कहा, 'कई लोग सांस फूलने और लगातार खांसी आने को बढ़ती उम्र का सामान्य लक्षण मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। बीमारी के शुरुआती चरणों में लक्षण हल्के हो सकते हैं या आसानी से पहचान में नहीं आते, जिसके कारण मरीज को पता भी नहीं चलता और बीमारी धीरे-धीरे गंभीर होती जाती है।'

डॉ. हितेश गौर ने सीओपीडी के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दुनियाभर में बीमारी और समय से पहले होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है। यह बीमारी आमतौर पर 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में देखी जाती है, विशेषकर ऐसे लोगों में जिन्हें लंबे समय तक धूम्रपान करने की आदत रही हो। हालांकि, धूम्रपान न करने वाले लोग भी लंबे समय तक हानिकारक तत्वों के संपर्क में रहने के कारण सीओपीडी से प्रभावित हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'कार्यस्थलों पर लंबे समय तक रसायनों, धूल और जहरीले धुएं के संपर्क में रहना तथा घरों में बायोमास और अन्य ठोस ईंधनों से खाना पकाने के कारण होने वाला वायु प्रदूषण सीओपीडी का खतरा बढ़ा सकता है। डॉ. सुमित भारती ने बताया कि सीओपीडी फेफड़ों की एक पुरानी और लगातार बढ़ने वाली बीमारी है, जिसमें सांस की नलियों में सूजन और फेफड़ों की वायु थैलियों को नुकसान पहुंचता है। इसके कारण मरीज को सांस लेने में परेशानी होती है। बीमारी गंभीर होने पर मरीजों को थोड़ी दूर चलने में भी परेशानी हो सकती है और निमोनिया सहित अन्य श्वसन संक्रमणों का खतरा बढ़ जाता है।

डॉ. अमनप्रीत कौर ने बताया कि सर्दियों में तापमान गिरने के साथ सीओपीडी के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है और उनमें श्वसन संक्रमण का खतरा भी अधिक हो जाता है। उन्होंने सीओपीडी के मरीजों को सर्दियों में विशेष सावधानी बरतने, डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवाओं का नियमित सेवन करने और लक्षण बढ़ने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की।

शैल्बी अस्पताल ने मोहाली में मिर्गी जागरूकता अभियान शुरू किया

मोहाली, (पैग़ाम-ऐ-जगत)

शैल्बी अस्पताल मोहाली ने रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन , मोहाली और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से मंगलवार को मिर्गी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सप्ताह के अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को मिर्गी की बीमारी, दौरा पड़ने की स्थिति में दी जाने वाली प्राथमिक सहायता और समय पर न्यूरोलॉजिकल उपचार के महत्व के बारे में जागरूक करना है।

इस अभियान के दौरान मिर्गी के लक्षणों, दौरा पड़ने पर प्राथमिक सहायता, डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवाओं का नियमित सेवन, घर और स्कूल में मरीजों की सुरक्षा तथा अप्रमाणित घरेलू उपचारों के बजाय योग्य न्यूरोलॉजिस्ट से परामर्श लेने के महत्व पर जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इस पहल का उद्देश्य मिर्गी से जुड़ी गलत धारणाओं और



सामाजिक कलंक को दूर करना, बीमारी की समय पर पहचान को प्रोत्साहित करना तथा इस बीमारी से पीड़ित लोगों को नियमित उपचार, उचित चिकित्सा देखभाल और सामुदायिक सहयोग सुनिश्चित करने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

सीनियर कंसल्टेंट - न्यूरोलॉजी डॉ. हरप्रीत कौर ने बताया कि मिर्गी के दौरे अलग-अलग रूपों में सामने आ सकते हैं और जरूरी नहीं कि हर बार इनमें शरीर में झटके लगना या ऐंठन होना ही शामिल हो।

उन्होंने कहा, 'मिर्गी के दौरे के दौरान व्यक्ति अचानक बेहोश हो सकता है, एकटक देखने लग सकता है, हाथ-पैरों में झटके महसूस कर सकता है, भ्रम की स्थिति में जा सकता है या कुछ समय के लिए प्रतिक्रिया देना बंद कर सकता है। इन लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है, क्योंकि समय पर चिकित्सकीय जांच से बीमारी की पहचान और उचित उपचार शुरू करने में मदद मिलती है। दौरा पड़ने की स्थिति में तुरंत और सही प्राथमिक सहायता के महत्व पर जोर देते हुए डॉ. कौर ने परिवार के सदस्यों और आसपास मौजूद लोगों को शांत रहने तथा मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'दौरा पड़ने पर व्यक्ति के आसपास मौजूद नुकीली या खतरनाक वस्तुओं को हटा देना चाहिए, उसके सिर के नीचे कोई मुलायम वस्तु रखनी चाहिए और स्थिति सुरक्षित होने पर उसे करवट दिलानी चाहिए।' शैल्बी अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट - न्यूरोसर्जरी डॉ. राकेश रेड्डी ने कहा कि मिर्गी एक उपचार योग्य न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, लेकिन इसकी पहचान में देरी, दवाओं का अनियमित सेवन और इससे जुड़ा सामाजिक कलंक आज भी कई मरीजों और उनके परिवारों के लिए चुनौती बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि समय पर बीमारी की पहचान, उचित चिकित्सा उपचार और नियमित फॉलो-अप के माध्यम से मिर्गी से पीड़ित अधिकांश लोग बेहतर और सामान्य जीवन जी सकते हैं।